सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 246 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 13 अक्टूबर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

हमें भूत के बारे में पछतावा नहीं करना चाहिए, ना ही भविष्य के बारे में चिंतित होना चाहिए, विवेकवान व्यक्ति हमेशा वर्तमान में जीते हैं।

–चाणक्य

आस्ट्रेलिया ने हासिल किया 330 रनों का... 7 | आयाराम–गयाराम का दौर का... 3 | यूपी दलित उत्पीड़न अपने चरम... 2

अब क्या होगा! कहीं उल्टा न पड़ जाएं दाव

लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी पर आरोप तय

- » सजा हुई तो जन भावनाएं लालू के साथ बहने लगेंगी
- » बिहार विधानसभा चुनाव में टर्निंग प्वाइंट
- » फिनिशिंग मूव या खुद के बुने जाल में फंस गयी बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में आज लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पर आईआरसीटीसी घोटाले में भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश के आरोप तय हो गए। लेकिन अदालत के इस फैसले के बाद जिस तेजी से सियासी थर्मामीटर चढ़ा है उसने एक बार फिर साबित कर दिया कि लालू यादव केवल एक व्यक्ति नहीं एक राजनीतिक भावनाशीलता हैं जो बिहार की मिट्टी में घुली हुई है।

आज की सुनवाई स्पेशल सीबीआई जज विशाल गोगने की अदालत में हुयी जिसमें लालू यादव परिवार के साथ व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे। कोर्ट ने कहा कि मामले में करप्शन की साजिश रची गई थी और आरोपियों को इससे प्रत्यक्ष लाभ मिला।

‘हम आरोपों को स्वीकार नहीं करते’

आरोप तय होने के बाद लालू प्रसाद यादव ने अदालत में कहा कि हम आरोपों को स्वीकार नहीं करते मुकदमे का सामना करेंगे। वहीं तेजस्वी यादव ने भी यही कहा कि हम आरोपों से इनकार करते हैं और कानूनी रूप से मुकदमे का सामना करेंगे। कोर्ट ने माना कि लालू यादव की जानकारी में ही यह साजिश रची गयी और उनके परिवार को सीधे तौर पर आर्थिक लाभ पहुंचाया गया। अदालत ने कहा कि राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को बेहद कम कीमत पर जमीन दी गई जो कि आईआरसीटीसी के ठेके देने के बदले में दी गई रिश्वत के रूप में देखा जा सकता है।

तेजस्वी पर दोहरी चुनौती लेकिन फायदा भी संभव

तेजस्वी यादव के लिए यह मुकदमा एक दोधारी तलवार है। एक तरफ अदालत में मुकदमे की लड़ाई दूसरी तरफ बिहार की जनता के दिल में उम्मीद का दांव। तेजस्वी यादव ने कोर्ट के बाहर कहा कि यह मामला पूरी तरह से राजनीतिक साजिश है। हमारे परिवार को फंसाने की कोशिश हो रही है क्योंकि हम गरीबों, पिछड़ों और किसानों की आवाज उठाते हैं। तेजस्वी का यह बयान आरजेडी कार्यकर्ताओं में जोश भर रहा है। पार्टी के युवा कार्यकर्ता इसे लालू परिवार की दुबारा शहादत की तरह देख रहे हैं। कई इलाकों में नारे गूंजना शुरू हो चुके हैं।

भविष्य में तेजस्वी ही राजनीति के नये लालू

भ्रष्टाचार का आरोप लगने के बावजूद तेजस्वी यादव आज बिहार में सबसे विश्वसनीय विपक्षी चेहरा हैं। उनकी भाषा संयमित है चेहरे पर नर्मी है और बोलने का तरीका अब भीड़ को आकर्षित करता है। उनके समर्थक अब उन्हें लालू का उत्तराधिकारी नहीं बल्कि लालू का प्रतिशोध मान रहे हैं। अगर बीजेपी और केंद्र सरकार आने वाले महीनों में इस केस को लेकर और आक्रामक हुई तो इसका सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ तेजस्वी को मिलेगा। यह मुकदमा उनके लिए राजनीतिक तपस्या साबित हो सकता है जिसमें वे खुद को सिस्टम के पीड़ति लेकिन जनता के नायक के रूप में स्थापित करेंगे।

भाजपा पर भी उठे सवाल

वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा जिस तरह से हर मोर्चे पर विपक्षी नेताओं पर सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स जैसी एजेंसियां छोड़ रही है उससे जनता के मन में अब यह धारणा बन चुकी है कि जो सरकार के खिलाफ बोलेगा उसे जेल में डाल दिया जाएगा। लेकिन ऐसे समय में जब चुनाव पक चुका हो और बस वोट डाले जाना बाकी हो तो इस तरह के फैसलों का फायदा लालू यादव को मिलेगा। क्योंकि जनता के मन में यही बात पक चुकी है कि उनके साथ सियासीं दांव चला गया।

बीजेपी का लालू कार्ड बिहार में हमेशा उल्टा पड़ा

इतिहास गवाह है कि जब जब बीजेपी ने लालू यादव को जेल भेजा या उन पर केस दायर किया आरजेडी का जनाधार और मजबूत हुआ। 1997, 2017 और अब 2025 तीनों समय का पैटर्न एक जैसा है। लालू यादव जितना दबाए गए उतना ही उभरे। और यही अब तेजस्वी यादव के साथ हो रहा है। भाजपा को लगता है कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लालू यादव को घेरा जा सकता है लेकिन जनता अब इस मुददे से थक चुकी है । बिहार की राजनीति जाति, पहचान और भावनाओं से चलती है और वहां लालू अब भी गरीबों के भगवान हैं।

यूपी में दलित उत्पीड़न अपने चरम पर : अखिलेश यादव

बोले पूर्व सीएम- जाति देखकर हो रही है अधिकारियों की नियुक्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा को जमकर कोसा है। उन्होंने कहा कि यूपी दलित उत्पीड़न अपने चरम पर है। समाजवादी चिंतक डॉ.राम मनोहर लोहिया की रविवार को पुण्यतिथि लखनऊ समेत प्रदेश के सभी जिलों में मनाई गई। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजधानी के लोहिया पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान अखिलेश यादव ने पत्रकारों से कहा कि लोहिया ने गैरबराबरी, भेदभाव, नाइंसाफी और शोषण के खिलाफ जीवनपर्यंत संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में बड़े पैमाने पर जातीय उत्पीड़न और भेदभाव हो रहा है। अधिकारियों की तैनाती जाति के आधार पर हो रही है। हरियाणा में एक आईपीएस की जान चली गई।

सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस पर जूता फेंकना, कथावाचकों को बांधकर पीटना, रायबरेली में बाल्मीकि समाज के नौजवान को पीटकर मार डालना यहां बंथरा में भी इसी तरह की घटना हो गई। किसान खाद के लिए लाठी खा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा, राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी मौजूद रहे।

विफलता छिपाना चाहती सरकार

राजधानी लखनऊ में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने महिला अपराधों पर एक बार फिर सरकार को घेरा है। कहा कि भाजपा द्वारा प्रस्तुत किए गए एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, महिलाएं बड़े पैमाने पर असुरक्षित हैं। भाजपा अपनी विफलता छिपाना चाहती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक उत्पीड़न और अन्याय लगातार हो रहा है। हर विभाग में भ्रष्टाचार है। जिन विभागों को उत्तर प्रदेश के लोगों को सुविधाएं और सहायता प्रदान करनी चाहिए, उनके नौ साल के शासन के दौरान हर विभाग में भ्रष्टाचार व्याप्त है।

बातों से स्वदेशी और मन से विदेशी हैं भाजपा के लोग

भाजपा के लोग बातों से स्वदेशी और मन से विदेशी हैं। भाजपा बात स्वदेशी की करती है, लेकिन विदेशी कंपनियों को बुलाकर पूरा बाजार उन्हें सौंपा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर अपना व्यापार बचाना है और स्वदेशी अपनाना है तो चीन के साथ व्यापार क्यों बढ़ाया जा रहा है। पूरा इलेक्ट्रॉनिक बाजार चीन को दे दिया गया। भाजपा सरकार में उत्पीड़न, अन्याय और अत्याचार चरम पर है। कानपुर के अखिलेश दुबे के मामले में सरकार तथ्य छिपा रही है। वहां पुलिस के बड़े-बड़े अधिकारी फंस रहे हैं।

पूर्व विधायक इरफान सोलंकी को हाईकोर्ट से मिली राहत

» रंगदारी के मुकदमे की कार्यवाही पर कोर्ट ने लगाई रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। कानपुर के सीसामऊ से सपा के विधायक रहे इरफान सोलंकी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट ने रंगदारी और जमीन पर कब्जा करने के मामले में ट्रायल कोर्ट में चल रहे मुकदमे की कार्यवाही पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ कर रही है। कानपुर के जाजमऊ थाना क्षेत्र के दुर्गा विहार निवासी विमल कुमार ने 25 दिसंबर 2022 को पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

सोलंकी के साथ ही बिल्डर हाजी वसी, शाहिद लारी और कमर आलम के खिलाफ भी मारपीट, रंगदारी, धमकी समेत सार्वजनिक संपति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। वादी ने आरोप लगाया था कि उसकी जाजमऊ स्थित आराजी संख्या 963 जिसका रकबा एक हजार वर्ग मीटर जमीन था। विधायक इरफान सोलंकी, हाजी वसी, कमर आलम और शाहिद लारी ने जबरन उसकी जमीन पर कब्जा कर लिया था। डीएम से शिकायत पर लेखपाल ने जाकर जांच की और पुलिस के द्वारा कार्रवाई करके जमीन कब्जा मुक्त कराने की बात भी लिखी थी। आरोप है कि जब इन लोगों ने उसकी जमीन पर कब्जा किया था तो दर्शाया कि आराजी संख्या 48 की जमीन का हिस्सा है। वादी ने आराजी संख्या 48 के संबंध में जानकारी की गई तो पता चला कि यह जमीन कानपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी के नाम है जिसका पूरा रकबा 77 सौ वर्ग मीटर का है।

विमल ने आरोप लगाया कि इस दौरान एक और फर्जीवाड़ा सामने आया कि सभी आरोपियों के द्वारा केडीए की जमीन एक ऐसे हाईकोर्ट के आर्डर को दिखाकर बेची जा रही है जिसमें कहीं भी आराजी संख्या 48 का जिक्र न होकर सिर्फ प्लाट नंबर 247, 48 का जिक्र था। इन लोगों ने केडीए के अधिकारियों से साठगांठ कर एक ऐसा आरटीआई का पत्र प्राप्त किया था जिसमें लिखा था कि केडीए यह मुकदमा हार चुका है, लेकिन नीचे यह भी लिखा है कि जो मुकदमा केडीए हारा है उसका कोई जानकारी केडीए में उपलब्ध नहीं थी।

जमीन वादी की थी ही नहीं

पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने दलील दी कि वादी जिस जमीन को

अपना बताकर विधायक पर जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया है, वह जमीन वादी की है ही नहीं। वादी का जमीन के मूल मलिक के साथ सिविल मुकदमा चल रहा है। राजनीतिक रंजिश के चलते वादी ने इरफान सोलंकी पर झूठे मुकदमा दर्ज कराए हैं। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने इरफान सोलंकी पर चल रहे मुकदमे की पूरी कार्यवाही पर रोक लगा दी।

ब्लैक में खाद खरीद रहा किसान : राकेश टिकैत

» बोले- एकजुट होने की जरूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रावस्ती। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत भिनगा में आयोजित किसान महापंचायत में पहुंचे। इस मौके पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि किसानों को खाद के मुद्दे पर एकजुट होने की जरूरत है। खाद की कालाबाजारी हो रही है। किसानों को ब्लैक में खाद खरीदनी पड़ रही है। उन्हें एकजुट होकर अपनी आवाज उठाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि बिजली को प्राइवेट करने से किसानों को महंगी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि बड़े वैचारिक आंदोलन की तैयारी की जा रही है। किसानों को एमएसपी का दाम नहीं मिल रहा है। हर जिले में बड़े आंदोलन की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की विदेश नीति ठीक है। बाघा बॉर्डर खुलने से किसानों को सीधा फायदा होगा।

इससे ट्रांसपोर्ट सीधा अफगानिस्तान और कजाकिस्तान जा सकता है। वहीं, बिहार चुनाव के बारे में कहा कि अगर चुनाव बेईमानी से हुआ तो ये जीतेंगे और अगर ईमानदारी से हुआ तो कोई और जीतेगा।

राजनीति में आय ठप फिल्मों में वापसी मजबूरी : गोपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने राजनीति से दूर होकर अपने अभिनय करियर में वापसी की इच्छा जताई है।

अभिनेता से राजनेता बने गोपी ने केरल के कन्नूर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि मंत्री पद संभालने के बाद से उनकी आय में काफी गिरावट आई है, समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया। उन्होंने कहा कि मैं सचमुच अभिनय जारी रखना चाहता हूँ। मुझे और कमाई करनी है; मेरी कमाई अब पूरी तरह बंद हो गई है। गोपी ने अपने स्थान पर केंद्रीय मंत्री के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए राज्यसभा सांसद सदानंदन मास्टर का नाम प्रस्तावित किया और कहा कि वह अपनी पार्टी के सबसे युवा सदस्य हैं।

आजम वाई श्रेणी की सुरक्षा में रहेंगे

कई बार के विधायक, एक बार के लोकसभा व राज्यसभा के सदस्य होने के साथ ही पांच साल तक प्रदेश के कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। 2012-2017 तक कैबिनेट मंत्री रहे आजम खां की मुश्किलें भाजपा सरकार आने के बाद 2019 से बढ़नी शुरू हुई थीं। उन पर कानूनी शिकंजा कसता चला गया। एक के बाद एक सौ से ज्यादा मुकदमे दर्ज हुए। डूंगरपुर, यतीमखाना बस्ती को खाली कराने के नाम पर लूटपाट, चोरी व डकैती के साथ ही मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हुए। 23 माह पहले उन्हें बेटे के जन्म प्रमाणपत्र के मामले में सजा हुई थी, जिसके बाद बेटे अब्दुल्ला आजम व पत्नी डॉ. तजीन फात्मा के साथ जेल चले गए थे। हालांकि अब सभी जमानत पर हैं। उनको डूंगरपुर केस में भी सजा हो चुकी है।फिलहाल 23 माह बाद 23 सितंबर को सीतापुर जेल से पहले उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई थी जिसे अब वापस कर दिया गया है। पुलिस अफसरों के मुताबिक वाई श्रेणी की सुरक्षा के तहत पांच पुलिस कर्मियों की एक गारद आवास पर तैनात होगी, जबकि तीन सुरक्षा कर्मी सपा नेता के साथ रहेंगे।

बिहार में अलग मोर्चा बनाकर चुनाव लड़ सकते हैं ओम प्रकाश राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख और यूपी की राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी ओम प्रकाश राजभर ने एक बार फिर राजनीतिक पारा चढ़ा दिया है। राजभर ने कहा है कि उनकी पार्टी अब बिहार में भी अपनी पैठ जमाने की तैयारी कर रही है और अगर गठबंधन में उचित सम्मान न मिला तो वे अलग मोर्चा बनाकर चुनाव लड़ने से पीछे नहीं हटेंगे।

गठबंधन धर्म नहीं निभा रही भाजपा

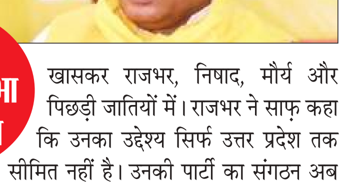

राजभर का यह बयान ऐसे समय आया है जब बिहार विधानसभा चुनावों की सरगर्मी बढ़ चुकी है, और एनडीए के भीतर सीट बंटवारे को लेकर तनातनी के संकेत मिल रहे हैं। राजभर ने कहा कि हमने हमेशा सामाजिक न्याय और पिछड़ों की आवाज़ उठाई है। अगर किसी गठबंधन में हमें सम्मानजनक जगह नहीं दी जाएगी तो हम बिहार में नया मोर्चा बनाकर चुनाव लड़ेंगे। बिहार में हमारी मजबूत ज़मीन है। खासकर राजभर, निषाद, मौर्य और पिछड़ी जातियों में। राजभर ने साफ़ कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है। उनकी पार्टी का संगठन अब पूर्वांचल से लेकर सीमांचल तक सक्रिय है। सूत्रों के मुताबिक, सुभासपा बिहार के सिवान, छपरा, बक्सर और कटिहार जिलों में अपने संगठन को तेजी से मजबूत कर रही है। राजभर की रणनीति है कि वे ओबीसी और अतिपिछड़ा वर्ग को एक साझा मंच पर लाकर भाजपा और आरजेडी दोनों के पारंपरिक वोट बैंक को चुनौती दें।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर राजभर सच में बिहार में उतरते हैं तो त्रिकोणीय मुकाबला तय है। यह न केवल भाजपा बल्कि जदयू और आरजेडी दोनों के लिए पिछड़ा वोट बैंक के पुनर्वितरण का खतरा पैदा करेगा। राजभर की छवि एक ऐसे नेता की है जो बिना झिझक सत्ताधारी दलों को भी खरी-खरी सुनाते हैं। उनका यह बयान 2025 के बिहार चुनाव की दिशा तय करने वाला साबित हो सकता है।

एनडीए में बढ़ी बेचैनी विपक्ष ने साधा निशाना

राजभर का यह बयान भाजपा नेतृत्व के लिए सिरदर्द बन सकता है। बीजेपी पहले से ही बिहार में लोजपा (रामविलास) और उपेंद्र कुशवाहा जैसे सहयोगियों के बीच सीटों को लेकर उलझी है। ऐसे में राजभर का अलग मोर्चा वाला संकेत यह साफ़ करता है कि एनडीए में अंदरूनी असंतोष चरम पर है। वहीं आरजेडी और इंडिया गठबंधन ने इस बयान को भाजपा की दलित-पिछड़ा राजनीति में विफलता करार दिया है। इस विषय पर आरजेडी प्रवक्ता ने कहा कि राजभर जी को भाजपा ने सिर्फ पोस्टर बना दिया है असली ताकत उनकी समाजिक पकड़ है। अगर वो बिहार में उतरते हैं तो भाजपा का पिछड़ा वोट बैंक खिसक जाएगा।

आयाराम-गयाराम का दौर का आरंभ

महागठबंधन व एनडीए गठबंधन दोनों में नेताओं की भगदड़

- बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले नेताओं के दलबदल का सिलसिला जारी
- संतोष कुशवाहा से लेकर राहुल शर्मा तक भागे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। चुनावों के आते ही नेताओं का आने-जाने का दौर प्रारंभ हो जाता है। कुछ ऐस ही बिहार में विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही हो गया है। वहां नेताओं के दलबदल का दौर तेज हो गया है, जहां कई नेता अपने पुराने दलों को न केवल छोड़ रहे हैं बल्कि उन पर तीखे हमले भी कर रहे हैं। ये आने-जाने का दौर महागठबंधन व एनडीए गठबंधन दोनों में शुरू हो गया है। बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शनिवार शाम तक विधानसभा चुनावों के लिए अपने सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे की घोषणा कर सकता है।

जायसवाल ने कहा कि सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर चर्चा पूरी हो गई है और आम सहमति बन गई है। उन्होंने कहा, सीट बंटवारे की औपचारिक घोषणा शनिवार शाम तक पटना या दिल्ली में की जा सकती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अगले दो दिनों में राजद के छह से ज्यादा विधायक भाजपा में शामिल हो सकते हैं। शुक्रवार को, राजद के दो विधायकों भरत बिंद और संगीता कुमारी ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया और विधानसभा सचिव को अपना इस्तीफा सौंप दिया। विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने उनके इस्तीफे स्वीकार कर लिए हैं। बिंद बभुआ से जीते थे, जबकि कुमारी कैमूर जिले के मोहनिया से चुनी गई थीं। दोनों विधायकों ने फरवरी 2024 में हुए शक्ति परीक्षण के दौरान नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का समर्थन किया था। विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने पहले पार्टी व्हिप का उल्लंघन करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष से उनकी सदस्यता रद्द करने की मांग की थी, लेकिन उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई। इस बीच, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने एनडीए के भीतर सीट बंटवारे और बिहार चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने पर चर्चा के लिए शनिवार को एक बैठक बुलाई है। बताया जा रहा है कि भाजपा के साथ चिराग का समझौता लगभग तय हो गया है।

बिहार में दलबदल का दौर तेज

पूर्णिया से जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के दो बार के सांसद रहे संतोष कुशवाहा ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का दामन थाम लिया। माना जा रहा है कि उन्हें पूर्णिया जिले की किसी विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया जा सकता है। कुशवाहा 2014 और 2019 दोनों लोकसभा चुनावों में जदयू के टिकट पर जीते थे लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में वह निर्दलीय उम्मीदवार पप्पू यादव से हार गए थे। उन्होंने इस हार के लिए स्थानीय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जदयू नेताओं को जिम्मेदार ठहराया था और कहा था, 'राज्य पार्टी अध्यक्ष की स्थिति अब मात्र एक चौकीदार जैसी रह गई है।' कुशवाहा के अलावा जदयू के पूर्व विधायक राहुल शर्मा भी राजद में शामिल हो गए हैं। वह 2015 से ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से नाराज बताए जाते हैं। उन्हें जहानाबाद जिले की घोसी सीट से उम्मीदवार बनाए जाने की अटकलें हैं। खगड़िया जिले की परबत्ता सीट से जदयू विधायक डॉ. संजीव कुमार सिंह ने भी पिछले सप्ताह राजद का दामन थाम लिया था। उन्होंने नीतीश सरकार को ''बिहार के इतिहास की सबसे भ्रष्ट सरकारों में से एक'' बताया। हालांकि, जदयू सूत्रों का कहना है कि सिंह के दल बदलने की असली वजह उनकी सीट पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के भाई को टिकट मिलने की संभावना थी। वहीं, राजद और कांग्रेस के भी कई विधायक भाजपा या जदयू का रुख कर रहे हैं।

महागठबंधन के एक दर्जन विधायक संपर्क में : जायसवाल

नेताओं के दल बदलने को लेकर भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि अभी महागठबंधन के एक दर्जन विधायक पाला बदलने को तैयार बैठे हैं और हमारे संपर्क में हैं। इसी बीच, दोनों प्रमुख गठबंधनों के बीच सीट बंटवारे को लेकर बैठकों का दौर तेज हो गया है। हालांकि किसी भी पक्ष ने अभी अंतिम फार्मूला घोषित नहीं किया है। भाजपा की चुनाव समिति के सदस्य और प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने कहा कि बैठकें लगभग पूरी हो चुकी हैं, सीट बंटवारे की अंतिम घोषणा दिल्ली में शनिवार को होगी। इससे पहले नेताओं के आने-जाने का सिलसिला चलता रहेगा। सूत्रों के अनुसार, राजद गठबंधन में ''एक मामूली अड़चन'' शेष है क्योंकि मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

(मार्क्सवादी-लेनिनवादी) अधिक सीट की मांग कर रही हैं। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सीट बंटवारे की बातचीत दिल्ली में अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया कि चिराग पासवान ने अपनी शुरुआती 40 सीट की मांग घटाकर लगभग 25 सीट पर सहमति जता दी है। इस विषय पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय और चुनाव प्रभारी बीते दो तीन दिन से चिराग पासवान के साथ बैठक कर रहे थे। राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान छह और 11 नवंबर को होगा जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

विधायक मिश्रीलाल यादव ने किया भाजपा छोड़ने का एलान

जनता दल यूनाइटेड के बाद भारतीय जनता पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। दरभंगा जिले की अलीनगर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव ने पार्टी से इस्तीफा देने का एलान कर दिया है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा अब पिछड़ों का सम्मान नहीं करती। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व घमंड में चूर हो गया है। इस बात जनता इन्हें सबक सिखाकर रहेगी। मिश्रीलाल यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अलीनगर में पिछले 30 वर्षों से एनडीए का विधायक नहीं रहा। लेकिन, 2020 में मैंने वहां भाजपा का परचम लहराया। इसके बावजूद पार्टी ने मेरा अपमान किया है। भाजपा में मेरे स्वाभिमान की कोई कद्र नहीं है। मुझे लगातार प्रताड़ित किया गया। अब ऐसे दल में रहना मेरे जैसे स्वाभिमानी व्यक्ति के लिए संभव नहीं है।

मैं चुनाव लड़ूंगा और जीतूंगा भी : मिश्रीलाल

उन्होंने यह भी कहा कि वे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को अपना इस्तीफा पत्र सौंपने जा रहे हैं। मिश्रीलाल यादव ने साफ कर दिया कि वह अलीनगर से चुनाव जरूर लड़ेंगे, चाहे किसी भी दल से लड़ना पड़े। हालांकि उन्होंने अभी तक यह नहीं बताया कि वे किस पार्टी में शामिल होंगे। कहा कि मैं एक सेकुलर सोच रखने वाला व्यक्ति हूं, इसलिए संभव है कि मैं किसी सेकुलर पार्टी में जाऊंगा। लेकिन फिलहाल यह तय नहीं है कि किस पार्टी से जुड़ूंगा। उन्होंने कहा कि एक बात तय है कि मैं चुनाव लड़ूंगा और जीतूंगा भी।

जेल भी हो गई थी मिश्रीलाल यादव को

बता दें कि दरभंगा के अलीनगर विधानसभा से भाजपा विधायक मिश्रिलाल यादव की विधानसभा की सदस्यता 23 जुलाई को बहाल कर दी गई है। विधायक मिश्रिलाल यादव को दरभंगा के एमपी एमएलए की विशेष न्यायालय ने एक पुराने मारपीट के मामले सुनवाई करते हुए 27 मई को दो साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद मिश्रीलाल को जेल हो गई थी, जिस वजह से 20 जून को भाजपा विधायक मिश्रिलाल यादव की विधानसभा की सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। हालांकि इस मामले में विधायक को हाईकोर्ट से पहले ही जमानत मिल चुकी है, जबकि हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए 18 जुलाई को विधानसभा सदस्यता रद्द करने के मामले को निरस्त कर दिया था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने पर ध्यान देना होगा

बिहार में चुनाव नवंबर में हैं। विवादों के बाद सबसे बड़ा सवाल वोटिंग प्रतिशत पर भी चर्चा है। एसआईआर में कई लोगों के नाम कटना जहां प्रभाव डालेगा। वहीं युवाओं व महिलाओं को बूथ भारी संख्या में पहुंचाने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। हालांकि पिछले कुछ महीनों में विपक्ष ने जैसे आरोप चुनाव आयोग पर लगाया है ऐसे में वह अपनी कार्यशैली कैसी रखता है ये देखने वाली बात है। बिहार के चुनाव में महिलाओं और युवाओं के महत्त्व का अंदाजा दोनों प्रमुख गठबंधनों को है। सत्ताधारी गठबंधन ने महिलाओं को लुभाने में बाजी मार ली है। राज्य में करीब साढ़े तीन करोड़ महिला वोटर हैं। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत राज्य के महिला मतदाताओं के करीब 22 फीसद को दस-दस हजार रुपए की रकम दी जा चुकी है। इस योजना के तहत राज्य की एक करोड़ 21 लाख महिलाओं को इस योजना का फायदा दिया जाना है।

बेशक भारतीय जनता पार्टी विपक्ष शासित राज्यों में ऐसी ही सहयोग देने वाली योजनाओं का कभी रेवड़ी बताकर विरोध करती रही हो, लेकिन अब वह भी ऐसी योजनाओं में भागीदारी कर रही है। छत्तीसगढ़ की जीत में महतारी वंदन योजना और मध्य प्रदेश की जीत में लाडली बहना योजना की भूमिका को शायद ही कोई दल नकार पा रहा है। क्या एक बार फिर महिला मतदाताओं का रुख ही बिहार की अगली सियासी तस्वीर का फैसला करने जा रहा है? क्या मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसा यहां भी दोहराया जाना है? अतीत के अनुभव और सत्ताधारी गठबंधन के दांव तो उसी ओर इशारा कर रहे हैं। वैसे इसमें युवाओं, विशेषकर पहली बार वोटर बने नौजवानों की भी अहम भूमिका रहने जा रही है। हालांकि मतदाताओं के रुख की हकीकत 14 नवंबर को मतगणना के बाद ही सामने आ पाएगी। बिहार में पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान जहां 59.69 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने मतदान किया था, वहीं पुरुषों का प्रतिशत महज 54.45 प्रतिशत ही था। बिहार जैसे कम महिला साक्षरता वाले राज्य में ऐसी राजनीतिक जागरूकता को सलाम किया जाना चाहिए। 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में महिला साक्षरता दर करीब 51 प्रतिशत ही है। 2010 के विधानसभा चुनावों से ही बिहार में महिलाएं केंद्र में हैं। तब जहां 51.12 प्रतिशत पुरुष मतदाताओं ने ही अपने अधिकार का इस्तेमाल किया था, वहीं महिलाओं ने इससे कहीं ज्यादा यानी 54.49 प्रतिशत हिस्सेदारी की थी। इसी तरह 2015 के विधानसभा चुनाव में भी 53.32 फीसद पुरुषों से आगे 60.48 फीसद महिलाओं ने वोट डाले थे। बिहार में इस बार करीब साढ़े तीन करोड़ महिला मतदाता हैं। जबकि पुरुष मतदाताओं की संख्या 3.92 करोड़ हैं। पलायन का दंश झेल रहे बिहार में वास्तव में पुरुष मतदाता कम हैं। मतदाता सूची में दर्ज नाम वाले भी वोटर परदेस में रोजी-रोटी कमाने को मजबूर हैं।

“

बिहार के चुनाव में महिलाओं और युवाओं के महत्व का अंदाजा दोनों प्रमुख गठबंधनों को है। सत्ताधारी गठबंधन ने महिलाओं को लुभाने में बाजी मार ली है। राज्य में करीब साढ़े तीन करोड़ महिला वोटर हैं। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत राज्य के महिला मतदाताओं के करीब 22 फीसद को दस-दस हजार रुपए की रकम दी जा चुकी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महिला-युवा तय करेंगे सरकार कौन बनाएगा

उमेश चतुर्वेदी

लोकतंत्र की जननी बिहार की धरती क्या मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का इतिहास दोहराएगी? मतदाताओं के रुख की हकीकत 14 नवंबर को मतगणना के बाद ही सामने आ पाएगी। लेकिन लगता है कि एक बार फिर बिहार में महिला मतदाताओं का रुख ही बिहार की अगली सियासी तस्वीर का फैसला करने जा रहा है। वैसे इसमें युवाओं, विशेषकर पहली बार वोटर बने नौजवानों की भी अहम भूमिका रहने जा रही है। बिहार के चुनाव में महिलाओं और युवाओं के महत्व का अंदाजा दोनों प्रमुख गठबंधनों को है। सत्ताधारी गठबंधन ने महिलाओं को लुभाने की जी-तोड़ कोशिश की है। राज्य में करीब साढ़े तीन करोड़ महिला वोटर हैं। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत राज्य की महिला मतदाताओं के करीब 22 फीसद को दस-दस हजार रुपये की रकम दी जा चुकी है। इस योजना के तहत राज्य की एक करोड़ 21 लाख महिलाओं को इसका फायदा दिया जाना है।

बेशक भाजपा विपक्ष शासित राज्यों में ऐसी ही सहयोग देने वाली योजनाओं को कभी 'रेवड़ी' बताकर विरोध करती रही हो, लेकिन अब वह भी ऐसी योजनाओं में भागीदारी कर रही है। छत्तीसगढ़ की जीत में महतारी वंदन योजना और मध्य प्रदेश की जीत में लाड़ली बहना योजना की भूमिका को शायद ही कोई दल नकार पाए। मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जब 10 जून, 2023 को जबलपुर में लाड़ली बहना योजना की शुरुआत की थी, तब माना जा रहा था कि उनकी सरकार मध्य प्रदेश में अलोकप्रिय हो चुकी है। लेकिन चुनावी नतीजों ने इस धारणा को बदल दिया। छत्तीसगढ़ में पिछले विधानसभा चुनाव से पहले शायद ही किसी ने अंदाजा लगाया था कि भूपेश बघेल सरकार को हार का स्वाद चखना होगा, लेकिन ऐसा हुआ। माना गया कि सियासी तस्वीर बदलने में भाजपा की महतारी वंदन योजना का बड़ा हाथ रहा। महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की जीत में भी अन्य कारकों के साथ लाड़ली बहना योजना और झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार की वापसी में मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना की अहम भूमिका रही है।

पिछले कुछ चुनावों से महिलाओं ने मतदान में पुरुषों के पीछे चलने की अवधारणा को बदला है। वे बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा ले रही हैं। बिहार में पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान जहां 59.69 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने मतदान किया था, वहीं पुरुषों का प्रतिशत महज 54.45 प्रतिशत ही था। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में महिला साक्षरता दर करीब 51 प्रतिशत ही है। वर्ष 2010 के विधानसभा चुनावों से ही बिहार में महिलाएं केंद्र में हैं। तब जहां 51.12 प्रतिशत पुरुष मतदाताओं ने अपने अधिकार का इस्तेमाल किया था, वहीं महिलाओं ने इससे कहीं ज्यादा यानी 54.49 प्रतिशत हिस्सेदारी की थी। इसी तरह 2015 के विधानसभा चुनाव में भी पुरुषों से आगे 60.48 फीसद महिलाओं ने वोट डाले थे। बिहार में इस बार करीब साढ़े तीन करोड़ महिला मतदाता हैं, जबकि पुरुष मतदाताओं की संख्या 3.92 करोड़ है। वास्तव में पलायन के चलते बिहार में पुरुष मतदाता कम हैं। मतदाता सूची में दर्ज नाम वाले भी वोटर परदेस में रोजी-रोटी कमाने को मजबूर हैं। इस बार भी बिहार की अगली सरकार के गठन में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। महिलाओं की ही मांग पर नीतीश कुमार ने राज्य में शराबबंदी लागू की थी। आलोचनाओं के बावजूद अगर नीतीश इस योजना को जारी रखे हुए हैं, तो इसका मतलब यह भी है कि उनका महिला वोटरों पर भरोसा तेजस्वी की तुलना में बहुत ज्यादा है। बिहार में इस बार 14 लाख ऐसे नए वोटर जुड़े हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे। विधानसभावार आंकड़ों के लिहाज से देखें तो हर विधानसभा में पहली बार वोट डालने वालों की संख्या औसतन 5,761 होती है। विधानसभा में जीत-हार का आंकड़ा बेहद नजदीकी होता है। जाहिर है कि इन नए मतदाताओं पर भी विधानसभा में जीत-हार निर्भर होगी। यही वजह है कि विपक्षी गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के दावेदार तेजस्वी यादव बार-बार युवाओं की बेरोजगारी का मुद्दा उठा रहे हैं। इतना ही नहीं, वे अपनी सरकार बनने की स्थिति में बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराने का दावा भी कर रहे हैं।

तेजस्वी खुद को युवा हितैषी साबित करने के लिए नीतीश कुमार के साथ रहते नौकरियों के बांटे गए दस्तावेजों का हवाला देने से भी नहीं चूक रहे। पलायन को विपक्षी खेमे की ओर से मुद्दा बनाने की जबरदस्त कोशिश हो रही है। बिहार में रोजगार की कमी के चलते यहां के लोग महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब का रुख करने को मजबूर हैं। प्रशांत किशोर मतदान में युवाओं की ताकत को समझते हैं। इस बार के चुनाव में महिलाओं के साथ पलायन भी बड़ा मुद्दा रहने के गहरे आसार हैं।

जलवायु संकट का भावनात्मक सेहत पर असर

मुकुल व्यास

जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ता तापमान दुनियाभर के लाखों लोगों के भावनात्मक स्वास्थ्य को सीधे तौर पर प्रभावित कर सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि तापमान, आर्द्रता और धूप जैसी मौसम की स्थितियां आपके मूड, ऊर्जा और संज्ञानात्मक कार्यों पर असर डाल सकती हैं। अत्यधिक तापमान अक्सर मूड को खराब कर देता है, जबकि मध्यम, धूप वाली स्थितियां मूड को बेहतर बना सकती हैं। कुछ लोग जिनमें वृद्ध और मनोविकार वाले लोग शामिल हैं, मौसम परिवर्तनों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। संभवत: चिड़चिड़ापन, माइग्रेन और अनिद्रा जैसे लक्षणों का अनुभव कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम की घटनाएं मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं, जिससे तनाव, चिंता, डिप्रेशन और पीटीएसडी (पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर) बढ़ सकता है। सोशल मीडिया डेटा के एक बड़े अध्ययन से पता चला है कि अत्यधिक गर्मी में लोग काफी ज्यादा चिड़चिड़े हो जाते हैं।

शोधकर्ताओं ने 157 देशों के 1.2 अरब सोशल मीडिया पोस्ट की समीक्षा की। ये सभी 2019 के दौरान पोस्ट किए गए थे। उन्होंने 65 अलग-अलग भाषाओं में लिखे गए पोस्ट का विश्लेषण करने के लिए उन्नत कंप्यूटर प्रोग्राम का इस्तेमाल किया और प्रत्येक पोस्ट को उसके सकारात्मक या नकारात्मक होने के आधार पर स्कोर दिया। शोधकर्ताओं ने लोगों के मूड स्कोर का मिलान स्थानीय मौसम के आंकड़ों से किया ताकि यह देखा जा सके कि तापमान का लोगों की ऑनलाइन बातों पर क्या असर पड़ा। इसके नतीजे दुनिया भर में स्पष्ट और एक जैसे थे। जब तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया, तो कम आय वाले देशों में लोगों के पोस्ट लगभग 25 प्रतिशत ज्यादा नकारात्मक हो गए। अमीर देशों में नकारात्मकता लगभग 8 प्रतिशत बढ़ गई। चीनी विज्ञान अकादमी के विज्ञानी जियांगहाओ वांग ने कहा, सोशल मीडिया डेटा हमें विभिन्न संस्कृतियों और महाद्वीपों में मानवीय भावनाओं की एक अभूतपूर्व झलक प्रदान करता है। यह डेटा हमें जलवायु परिवर्तन के भावनात्मक प्रभावों के पैमाने को मापने में मदद करता है जो पारंपरिक सर्वेक्षणों से संभव नहीं है।

यह हमें वास्तविक समय में यह जानकारी देता है कि तापमान दुनिया भर में मानवीय भावनाओं को कैसे प्रभावित करता है। शोधकर्ताओं ने विश्व बैंक के आंकड़ों का उपयोग करके देशों को आय स्तर के आधार पर अलग किया, जिसकी विभाजन रेखा प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 13,845 डॉलर निर्धारित की गई। इस सीमा से नीचे के देशों में गर्मी के प्रति भावनात्मक प्रतिक्रियाएं धनी देशों की तुलना में अधिक प्रबल थीं। यह इस बात को ध्यान में रखते हुए तर्कसंगत है कि अमीर देशों में अधिक एयर कंडीशनिंग और बेहतर स्वास्थ्य सेवा है। चरम मौसम से निपटने के लिए उनके पास मजबूत बुनियादी ढांचा है। एमआईटी के सिकी झेंग ने कहा कि हमारे अध्ययन से पता चलता है कि बढ़ता तापमान न केवल शारीरिक स्वास्थ्य या आर्थिक उत्पादकता के लिए खतरा है बल्कि यह दुनियाभर में लोगों की दैनिक भावनाओं को भी प्रभावित करता है।

शोधकर्ताओं द्वारा प्रयुक्त एआई सिस्टम दर्जनों भाषाओं में लिखे गए पाठ के भावनात्मक लहजे को समझ सकता है, जिससे विभिन्न संस्कृतियों और देशों में भावनाओं की तुलना करना संभव हो जाता है। शोधकर्ता वर्तमान परिस्थितियों तक ही सीमित नहीं रहे। उन्होंने जलवायु मॉडल का उपयोग करके यह अनुमान लगाया कि 2100 तक अत्यधिक गर्मी मानवीय भावनाओं को कैसे प्रभावित कर सकती है। यह मानते हुए कि लोग समय के साथ उच्च तापमान के साथ कुछ हद तक अनुकूलित हो जाएंगे। उन्होंने अनुमान लगाया कि सदी के अंत तक गर्मी के कारण भावनात्मक कल्याण 2.3 प्रतिशत तक बिगड़ जाएगा। अमेरिका में टल्सा स्थित सस्टेनेबल अर्बनाइजेशन लैब के वैज्ञानिक निक ओब्राडोविच ने कहा की हमारे वर्तमान अध्ययन और पिछले अध्ययनों के निष्कर्षों से यह स्पष्ट है कि मौसम वैश्विक स्तर पर भावनाओं को बदलता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे मौसम और जलवायु बदलते हैं, व्यक्तियों को अपनी भावनात्मक स्थिति पर पड़ने वाले झटकों के प्रति अधिक लचीला बनने में मदद करना समग्र सामाजिक अनुकूलन का एक महत्वपूर्ण घटक होगा। दरअसल, यह शोध जलवायु परिवर्तन के बारे में सोचने के बिल्कुल नए रास्ते खोलता है।

ज्यादातर अध्ययन शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों, आर्थिक क्षति या पर्यावरणीय विनाश पर केंद्रित हैं। लेकिन यह शोध दर्शाता है कि बढ़ता तापमान हमारे मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर भी असर डालता है, जिससे एक तरह का भावनात्मक प्रदूषण पैदा होता है जो पूरे ग्रह में फैल जाता है। सोशल मीडिया उपयोगकर्ता सभी का पूरी तरह से प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। छोटे बच्चे और बुजुर्ग लोग अन्य आयु समूहों की तुलना में इस प्लेटफार्म का कम उपयोग करते हैं। विडंबना यह है कि ये लोग अक्सर अत्यधिक गर्मी के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं, जिसका अर्थ है कि गर्म मौसम का वास्तविक भावनात्मक प्रभाव अध्ययन में दर्शाए गए प्रभाव से भी अधिक गंभीर हो सकता है। यह शोध एमआईटी की सस्टेनेबल अर्बनाइजेशन लैब की ग्लोबल सेंटीमेंट प्रोजेक्ट से आया है। वैज्ञानिकों ने अपना पूरा डेटासेट अन्य शोधकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराया है। उम्मीद है कि यह समुदायों और नीति-निर्माताओं को एक ऐसी दुनिया के लिए तैयार होने में मदद करेगा जो लगातार गर्म होती जा रही है।

आइब्रो थ्रेडिंग करते समय इन बातों का रखें ध्यान

चेहरे की खूबसूरती तब कई गुना बढ़ जाती है, जब महिलाएं आइब्रो की थ्रेडिंग बनवा लेती हैं। इसकी वजह से आंखें और भी ज्यादा प्यारी लगने लगती हैं। आईब्रो की थ्रेडिंग बनाने के लिए बहुत सी महिलाएं वैक्सिंग का सहारा लेती हैं, तो वहीं ज्यादातर महिलाएं थ्रेडिंग कराती हैं। आइब्रो सेट कराने के लिए थ्रेडिंग सबसे सरल और आसान रास्ता माना जाता है। इसी के चलते कई महिलाएं तो घर पर खुद से ही थ्रेडिंग कर लेती हैं। अगर आप भी उन महिलाओं में शामिल हैं, जो घर पर ही थ्रेडिंग करना पसंद करती हैं, तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें। यदि आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो एक तो आपका लुक प्यारा दिखेगा और साथ ही में इसकी वजह से आपके चेहरे पर किसी तरह की एलर्जी नहीं होगी।

तुरंत मेकअप न करें

इस बात का खास ध्यान रखें कि थ्रेडिंग के तुरंत बाद स्किन के पोर्स खुले होते हैं। ऐसे में अगर आप थ्रेडिंग के तुरंत बाद मेकअप करेंगे तो इससे मेकअप के केमिकल्स त्वचा के अंदर जा सकते हैं और उसकी वजह से स्किन पर पिंपल्स हो सकते हैं।

रोशनी होनी चहिए ज्यादा

थ्रेडिंग बनाते समय ऐसी जगह पर बैठें, जहां रोशनी तेज आती हो। यदि आप अंधेरे में या फिर कम रोशनी में थ्रेडिंग बनाएंगी तो इससे हो सकता है कि आइब्रो की शेप बिगड़ जाए। इसलिए पहले रोशनी को सेट कर लें, फिर ही थ्रेडिंग करें।

धागा हो साफ

यदि आप नियमित रूप से घर पर ही आईब्रो बनाती हैं तो ध्यान रखें कि कि एक ही धागे तो बार-बार इस्तेमाल न करें। थ्रेडिंग के लिए हमेशा नया धागा लें। कभी भी इस्तेमाल किया हुआ धागा दोबारा इस्तेमाल न करें। ध्यान रखें कि गंदा धागा स्किन में बैक्टीरिया फैला सकता है। इसलिए हर बार नया धागा लें।

हाथ को अवश्य धोएं

आइब्रो पर थ्रेडिंग बनाते समय अपने हाथों को अच्छी तरह से धोएं। यदि आप गंदे हाथ से थ्रेडिंग बनाएंगे तो इससे इंफेक्शन फैलने का खतरा बढ़ जाता है। हाथों के साथ-साथ अपने चेहरे को भी अच्छी तरह से धोकर साफ कर लें, वरना चेहरे पर मुंहासों जैसी दिक्कतें पैदा होंगी।

एलोवेरा का इस्तेमाल करें

थ्रेडिंग के बाद स्किन काफी सेंसेटिव हो जाती है। इसलिए हमेशा आईब्रो पर थ्रेडिंग के बाद त्वचा पर एलोवेरा इस्तेमाल अवश्य करें। ये आपकी त्वचा को एलर्जी से बचाएगा और साथ ही में थ्रेडिंग की वजह से होने वाली जलन को भी एलोवेरा कम करने का काम करेगा।

हंसना मना है

पप्पू एक रेस्टोरेंट में खाना खाने गया, महिला वेटर- सर क्या लेंगे? पप्पू-आपका नंबर। फिर क्या, खाना भी नहीं मिला और ऊपर से पप्पू की हो गई जोरदार पिटाई।

विवाहित औरत पर किस तरह के भावों का प्रभाव पड़ता हैं? मनोविज्ञान के प्रोफेसर ने विद्यार्थी से पूछा। विद्यार्थी ने जवाब में बोला- जी, पति के स्वभाव का एवं बाजार के भाव का।

पिता-'तुम कैसे सिद्ध करोगे कि साग-पात खाने वाले की निगाहें तेज होती हैं। पुत्र-'वाह पिताजी, अभी तक कोई ने बकरे और घोड़े को चश्मा लगाते देखा है क्या?

पप्पू - लड़कियां कभी खुद प्यार का इजहार नहीं करतीं? गप्पू - क्यों? पप्पू - ताकि ब्रेकअप करते समय वो ये कह सकें कि तुम ही मेरे पीछे पड़े थे, मैं नहीं! पप्पू की बात सुनकर गप्पू बेहोश....

मेहमान- और बताओ बेटा आगे का क्या प्लान है... बच्चा- बस आपके जाते ही बिस्कुट खाऊंगा... वैसे भी नमकीन और मेवा तो आपने छोड़ी नहीं है....

कहानी | रिश्वत का खेल

विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय किसी भी कलाकार को कोई भी पुरस्कार या धन राशि देने से पहले तेनालीराम से सलाह जरूर मांगते थे। उन्हें यह पता था कि तेनालीराम को कला की अच्छी पहचान है। तेनालीराम को मिलने वाले इस सम्मान से बाकी दरबारियों को जलन थी। एक बार तेनालीराम दरबार में न आ सके। तो दरबारियों ने राजा के कान भरने शुरू कर दिए। कहा, महाराज तेनालीराम बहुत बेईमान आदमी है। जिस भी कलाकार को उसे पुरस्कार दिलाना होता है, वो उससे पहले रिश्वत ले लेता है। जब कुछ दिनों बाद तेनालीराम दरबार में उपस्थित हुए, तो उन्हें महाराज कुछ उखड़े-उखड़े दिखाई दिए। तेनालीराम ने देखा कि अब महाराज ने किसी को पुरस्कार देने से पहले उससे सलाह लेना बंद कर दिया है। फिर एक दिन एक गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता खत्म होते ही तेनालीराम बोले, एक गायक के अलावा सबको इनाम मिलना चाहिए, लेकिन राजा ने बिल्कुल उल्टा व्यवहार किया। उन्होंने उस एक गायक को इनाम देकर बाकी सबको खाली हाथ लौटा दिया। सभी दरबारी तेनालीराम का यह अपमान देखकर बहुत खुश हुए। कुछ दिनों बाद दरबार में एक बहुत ही सुरीला गायक अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए आया। उस दिन उसने दरबार में एक से बढ़कर एक गीत गाए और पूरी राजसभा को भाव विभोर कर दिया। तो तेनालीराम उस गायक से बोले, तुम्हारी आवाज बहुत मीठी है और मैंने ऐसे गीत अपने जीवन में कभी नहीं सुने। इस प्रतिभा के लिए तुम्हें 15 हजार स्वर्ण मुद्राएं जरूर मिलनी चाहिए। महाराज बोले, तुम्हारी कला वाकई में लाजवाब है, लेकिन हमारे राजकोष में किसी गायक के लिए इतना धन नहीं है, इसलिए अब तुम जा सकते हो। तेनालीराम ने भरे दरबार में उस गायक को एक पोटली दे दी। यह देखकर दरबारी विरोध करने लगे। सभी एक स्वर में बोले कि जब राजा ने गायक को कुछ नहीं दिया, तो तेनालीराम कौन होता है खैरात बांटने वाला? राजा को भी तेनालीराम कि इस हरकत पर बहुत गुस्सा आया। उन्होंने सेवकों को आदेश दिया कि गायक से वो पोटली छीनकर मेरे पास लाओ। राजा ने उस पोटली को खोला, तो उसमें मिट्टी का एक बर्तन था। मिट्टी का बर्तन देखकर राजा ने तेनालीराम से सवाल किया कि ये बर्तन तुम गायक को क्यों देना चाहते हो। तेनालीराम बोले, महाराज, बेचारा यह गायक इनाम तो हासिल नहीं कर पाया, लेकिन कम से कम इस दरबार से खाली हाथ तो नहीं जाएगा। इस मिट्टी के बर्तन में वो तारीफ और वाहवाही भरकर ले जाएगा। तेनालीराम के मुंह से यह जवाब सुनकर राजा को उसकी दरियादिली और सच्चाई का ज्ञान हुआ। उनका गुस्सा गायब हो गया और राजा ने गायक को 15 हजार स्वर्ण मुद्राएं इनाम में दे दीं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। करियर के क्षेत्र में उन्नति के योग हैं। आपके प्रयासों को पहचान मिलेगी और वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

वृषभ — आज आपका भाग्य पूरी तरह से साथ देगा। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। नौकरी में बदलाव का सोच रहे हैं तो यह समय अनुकूल है। सेहत में सुधार होगा।

मिथुन — आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं, लेकिन सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों को कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क — आज आप अपनी रचनात्मकता पर ध्यान केंद्रित करेंगे। आपके काम से लोग प्रभावित होंगे और सराहना मिलेगी। अपनी योजनाओं को गति देंगे आर्थिक सौदेबाजी में सफल रहेंगे।

सिंह — आज का दिन आपके करियर में उतार-चढ़ाव ला सकता है। हालांकि, मित्रों और शुभचिंतकों का सहयोग मिलेगा। आय के नए स्रोत खुलने और बड़े धन लाभ की संभावना है।

कन्या — आज आप अपनी निर्णय लेने की क्षमता से लाभ उठाएंगे। कार्यक्षेत्र में कामकाज के चलते व्यस्तता अधिक रहेगी, लेकिन सभी रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे।

तुला — आज का दिन आपके लिए चुनौतियों से भरा हो सकता है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। कोई भी बड़ा निवेश सोच-समझकर करें। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक — आज आपका पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की के योग हैं। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यापार में लाभ होगा।

धनु — आज आपको जुआ, सट्टा या लॉटरी जैसे जोखिम भरे कामों से बचना चाहिए। अपनी जुबान पर नियंत्रण रखें, अन्यथा परिवार में किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है।

मकर — आज आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। कार्य और व्यापार में तरक्की मिलेगी। कार्यक्षेत्र में प्रबंधन से जुड़े मामले आपके पक्ष में रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कुम्भ — आज का दिन आपके लिए कुछ खर्चों वाला हो सकता है, इसलिए बजट का ध्यान रखें। यात्रा पर जाने के योग हैं। विरोधी सक्रिय हो सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें।

मीन — आज आपकी आय में वृद्धि हो सकती है। रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा। कार्यक्षेत्र में किए गए प्रयासों से लाभ मिलेगा। सेहत अच्छी रहेगी और पारिवारिक जीवन भी सुखद रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

खराब दर्शक ही एक खराब फिल्म को सफल बनाते हैं : जावेद अख्तर

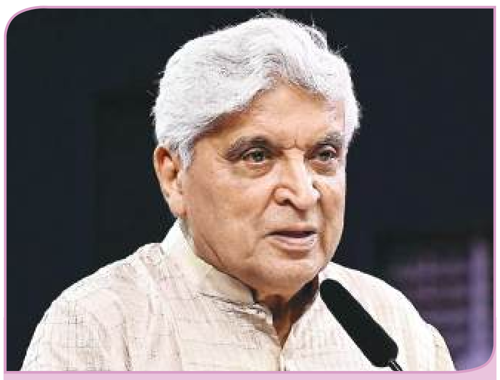

मशहूर गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्मों की सेंसरशिप पर बात रखी है। उन्होंने इस बात पर निराशा जताई है कि समाज की वास्तविकता को दर्शाने वाली फिल्मों को भारत में सेंसरशिप का सामना करना पड़ता है, जबकि अश्लीलता से भरपूर फिल्मों को मंजूरी मिल जाती है। एक कार्यक्रम में बोलते हुए, अख्तर ने कहा कि खराब दर्शक ही एक खराब फिल्म को सफल बनाते हैं। अनंतरंग 2025 के प्रोग्राम में बोलते हुए उन्होंने कहा इस देश में, सच्चाई यह है कि अश्लीलता को (फिल्म नियामक संस्थाओं से) मंजूरी मिल जाती है। उन्हें पता ही नहीं है कि ये गलत मूल्य हैं, एक पुरुषवादी दृष्टिकोण है जो महिलाओं को अपमानित करता है। जो चीजें समाज को आईना दिखाती हैं, उन्हें मंजूरी नहीं मिलती। जावेद अख्तर ने कहा फिल्म समाज की एक खिड़की होती है, जिससे आप झांकते हैं, फिर खिड़की बंद कर देते हैं, लेकिन खिड़की बंद करने से जो हो रहा है, वह ठीक नहीं हो जाएगा। उन्होंने कहा पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य की वजह से ही ऐसी फिल्में बन रही हैं। अगर पुरुषों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हो जाए, तो ऐसी फिल्में नहीं बनेंगी। अगर बन भी जाएंगी तो (सिनेमाघरों में) नहीं चलेंगी। अख्तर ने सिनेमा में अश्लील गानों के बढ़ते चलन पर अपनी नाराजगी जाहिर की और कहा कि उन्होंने ऐसे प्रस्तावों को लगातार ठुकराया है क्योंकि ये उनके मूल्यों के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने कहा एक समय था, खासकर 80 के दशक में, जब गाने या तो दोहरे अर्थ वाले होते थे या फिर बेमतलब लेकिन मैं ऐसी फिल्में नहीं करता था। मुझे इस बात का दुख नहीं है कि लोगों ने ऐसे गाने रिकॉर्ड करके फिल्मों में डाले, बल्कि मुझे इस बात का दुख है कि ये गाने सुपरहिट हो गए। इसलिए फिल्म पर दर्शकों का ही प्रभाव होता है।

वेब सीरीज 'स्टॉर्म' के साथ बतौर प्रोड्यूसर ओटीटी पर डेब्यू करेंगे ऋतिक रोशन

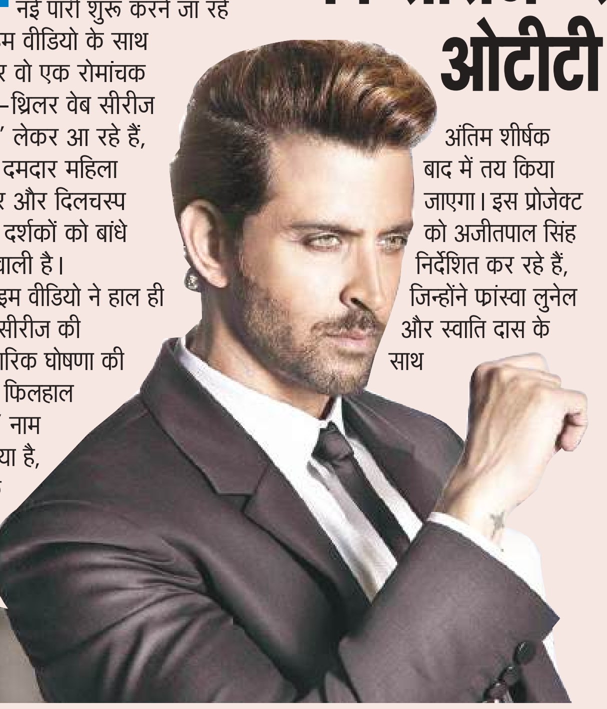

ऋतिक रोशन अब ओटीटी की दुनिया में बतौर निर्माता अपनी नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। प्राइम वीडियो के साथ मिलकर वो एक रोमांचक एक्शन-थ्रिलर वेब सीरीज 'स्टॉर्म' लेकर आ रहे हैं, जिसमें दमदार महिला किरदार और दिलचस्प कहानी दर्शकों को बांधे रखने वाली है।

प्राइम वीडियो ने हाल ही में इस सीरीज की आधिकारिक घोषणा की है। इसे फिलहाल 'स्टॉर्म' नाम दिया गया है, हालांकि अंतिम शीर्षक बाद में तय किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को अजीतपाल सिंह निर्देशित कर रहे हैं, जिन्होंने फांस्वा लुनेल और स्वाति दास के साथ मिलकर इसकी कहानी भी लिखी है। ऋतिक रोशन और उनके भाई ईशान रोशन इस प्रोजेक्ट के निर्माता हैं, जबकि उनकी कंपनी HRX Films इसके निर्माण में प्रमुख भूमिका निभा रही है।

कृष 4 का फैंस को इंतजार

जहां एक ओर ऋतिक 'कृष 4' के निर्देशन की तैयारी कर रहे हैं, वहीं इस वेब सीरीज के जरिए ओटीटी पर निर्माता के रूप में भी अपनी पहचान बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में ऋतिक कियारा आडवाणी और जूनियर एनटीआर के साथ फिल्म वॉर 2 में नजर आए थे।

ओटीटी के सफर की यह शुरुआत खास

ऋतिक रोशन ने अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर कहा कि यह कहानी उन्हें गहराई से छू गई। उन्होंने कहा, स्टॉर्म' मेरे लिए सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक अनुभव है। अजीतपाल द्वारा बनाई गई दुनिया इतनी सच्ची और गहराई लिए हुए है कि इससे खुद को जोड़ना आसान हो गया। इस सीरीज की कहानी दमदार और यथार्थ के करीब है। मुझे गर्व है कि मैं इसे बतौर निर्माता दर्शकों तक पहुंचा रहा हूं।

दीपिका पादुकोण को ट्रोलिंग का कोई फर्क नहीं पड़ता

साल 2025 एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के लिए काफी मुश्किलों से भरा रहा। पिछले कुछ वक्त में उनके प्रोफेशनलिजम पर कई सारे सवाल उठाए गए हैं। एक्ट्रेस की डिमांड्स को लेकर भी बहुत विवाद रहा, जिसके कारण उन्हें फिल्मों से भी हाथ धोना पड़ा। दीपिका, संदीप रेड्डी वांगा की स्पिरिट और नाग अश्विन की कल्कि 2 से बाहर हुईं।

इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की दो बड़ी फिल्मों से बाहर होने पर दीपिका पादुकोण को काफी ट्रोल किया गया। कई लोगों ने उनकी डिमांड्स को मनमानी का नाम दिया। तो कुछ लोगों ने उनका साथ भी दिया। अब एक्ट्रेस ने अपनी कॉन्ट्रोवर्सीज पर बात करते हुए साफ किया है कि उन्हें लोगों की ट्रोलिंग और गालियों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। उनका फोकस मां बनकर बेटी को पालने पर है।

दीपिका ने कहा, अभी मैं बस एक मां का रोल अदा करना चाहती हूं, जो बहुत ही सुकून देने वाला और खूबसूरत है। लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं बैठकर कहूं कि आज मैं खुद को नया रूप दूंगी, छह महीने हो गए हैं। मुझे बस नए चैलेंज पसंद हैं। मैं खुद से पूछती रहती हूं, मैं उत्सुक हूं।

मैं सीखना चाहती हूं और इसमें अगर मुझे वो चीजें करनी पड़े जिसे मैंने आज से पहले कभी नहीं किया, मुझे कोई परेशानी नहीं। मैं सीखने में पीछे नहीं हटना चाहती। मुझे गलतियां करने में कोई परेशानी नहीं। कोई मुझे गालियां दे, मुझे उससे दिक्कत नहीं। मुझे इन सब से कोई दिक्कत नहीं है क्योंकि मुझे नए सिरे से आविष्कार करते रहना है और सीमाओं को आगे बढ़ाना है।

दीपिका ने आगे ट्रोल्स से निपटने पर भी बात की। उन्होंने बताया कि स्पोर्ट्स बैकग्राउंड होने के कारण, उन्होंने ट्रोलिंग से निपटने में कोई दिक्कत नहीं आती। उन्हें बाहरी आवाजों को आसानी से बंद करना आता है। वो ये काम बड़ी आसानी से कर लेती हैं जिससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

बता दें कि जब दीपिका स्पिरिट से बाहर हुई थीं, तब डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने इनडायरेक्टली एक्ट्रेस को लेकर कई बातें कही थीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर नोट लिखा था, जो दीपिका की एग्जिट से ठीक कुछ दिनों बाद सामने आया। संदीप ने बिना दीपिका का नाम लिए लिखा था कि जिस एक्ट्रेस के साथ उन्होंने अपनी फिल्म की कहानी नहीं रिवील करने का एनडीए साइन किया था, उसने उनकी कहानी एक यंग एक्टर को नीचा दिखाने के जरिए रिवील की।

अजब-गजब | ये गांव नक्शे पर तो दिखता है लेकिन बाहरी दुनिया से है अलग

दुनिया का ऐसा गांव, जहां हर कोई है ज्योतिष पढ़ सकता है दिमाग, बता सकता है भविष्य!

इंडोनेशिया का जावा द्वीप, जहां हरे-भरे जंगल और पहाड़ियां मिलकर एक रहस्यमयी दुनिया रचती हैं, वहां बादुई कबीला बसा है। ये गांव नक्शे पर तो दिखता है, लेकिन बाहरी दुनिया से इतना कटा हुआ है कि मोबाइल, रेडियो या बिजली जैसी चीजें यहां सपने जैसी है। कहा जाता है कि बादुई लोग धरती के पहले मानव हैं, जो आपदा से बचने के लिए सख्त नियमों का पालन करते हैं। लेकिन इस कबीले की सबसे बड़ी खासियत उनके धार्मिक नेता अलौकिक शक्तियां रखते हैं। मन पढ़ना, भविष्य की भविष्यवाणी करना और भाग्य को प्रभावित करना।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बादुई की जिंदगी और इन शक्तियों का जिक्र किया गया है। लाखों लोग इसे देखकर हैरान हैं। कई तो यकीन ही नहीं हुआ कि कोई ऐसी जनजाति भी आज की तारीख में मौजूद है जो सीधे भगवान से बातें कर सकती है। आइये बताते हैं इनकी कई खास बातें।

बादुई कबीला, जिसे कंजडो बादुई भी कहते हैं, बानटेन प्रांत के कंधरासि गांव के पास रहता है। करीब 12,000 सदस्यों वाला ये समुदाय सुंदा भाषा बोलता है। वे खुद को सृष्टि के पहले लोग

मानते हैं, इसलिए प्रकृति के साथ सामंजस्य रखना उनका धर्म है। वीडियो में इसा खान बताते हैं कि बादुई लोग मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए धातु के हल इस्तेमाल नहीं करते। यहां स्कूल की पढ़ाई, कांच, शराब, जूते, पानी का बहाव बदलना, चार पैर वाले जानवर पालना, ये सब वर्जित है। हत्या, चोरी, झूठ, व्यभिचार, नशा, रात में खाना, वाहन चलाना, फूल या इत्र लगाना, सोना-चांदी स्वीकारना, पैसे छूना या बाल कटवाना भी मना है। जो इन नियमों का पालन नहीं करते वो मुख्य गांव के बहरी हिस्सों में रहते हैं। इन नियमों का पालन ना करने वाले को आउटर जोन में बेदखल कर दिया जाता है।

ये समाज दो भागों में बंटा हुआ है- आउटर बादुई (बाहरी गांव) जहां थोड़ी आधुनिकता घुस आई है और इनर बादुई (केवल 3 गांव) जहां शुद्ध परंपराएं बरकरार है। इनर बादुई में कोई बाहरी घुस नहीं सकता। धार्मिक नेता, जिन्हें 'पु'उन' कहते हैं, कबीले का केंद्र है। मान्यता है कि ये अलौकिक शक्तियां रखते हैं। वीडियो के अनुसार, वे मन पढ़ सकते हैं, भविष्य बता सकते हैं और भाग्य बदल सकते हैं। कोई बाहरी इनके पवित्र स्थल पर होने वाले अनुष्ठानों को नहीं देख सकता है। ये अनुष्ठान प्रकृति की पूजा और पूर्वजों की याद में होते हैं। बादुई का विश्वास सांगा सरी (सुंदा हिंदू) परंपरा से आता है, जहां प्रकृति देवता हैं। वे सफेद कपड़े पहनते हैं, बाल लंबे रखते हैं, और कृषि लकड़ी के औजारों से करते हैं। फसलें जैसे चावल, मक्का उगाते हैं, लेकिन जंगल से फल-सब्जियां इकट्ठा करना मुख्य आजीविका है।

दुनिया का वो फल, जिसे नहीं उगा पाता कोई किसान! परियां लगा देती हैं पौधा!

हिमालय की ऊंची चोटियों और घने जंगलों में एक ऐसा फल उगता है, जो ना केवल स्वाद में अनोखा है, बल्कि अपनी उत्पत्ति की रहस्यमयी कहानी से दुनिया को चकित कर देता है। काफल–ये नाम सुनते ही उत्तराखंड, नेपाल और हिमालयी क्षेत्रों के निवासियों के चेहरों पर मुस्कान आ जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस मीठे-खट्टे फल का पेड़ कोई किसान नहीं उगा पाता? बीज बोने, खाद डालने, पानी देने के बावजूद ये पौधा इंसानी हाथों से नहीं फूटता। लोककथाओं में इसे 'परियों' का फल कहा जाता है, जो रात के अंधेरे में जंगलों में इसके पेड़ लगा देती हैं। आज हम खोलेंगे इस रहस्य की परतें, जहां विज्ञान और लोक मान्यताएं एक-दूसरे से टकराती हैं। काफल का वैज्ञानिक नाम मायरीका एसकुलेंटा है। ये एक सदाबहार झाड़ी या छोटा पेड़ है, जो 10 से 15 मीटर ऊंचाई तक बढ़ता है। हिमालय के 1000 से 2500 मीटर की ऊंचाई पर ये स्वाभाविक रूप से उगता है। मार्च-अप्रैल में इसके सफेद-पीले फूल खिलते हैं और मई-जून में लाल-गुलाबी रंग के छोटे-छोटे फल पकते हैं। फल का आकार चेरी जैसा होता है, स्वाद मीठा-खट्टा, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी और फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। स्थानीय लोग इसे ताजा खाते हैं, चटनी बनाते हैं या शरबत पीते हैं। लेकिन असली रहस्य इसकी प्रचारण में छिपा है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, काफल मुख्य रूप से बीजों से फैलता है, लेकिन इसके बीजों की बाहरी परत इतनी कठोर होती है कि पानी और हवा का प्रवेश नहीं होता। इसे 'फिजिकल डॉर्मेंसी' कहते हैं, जिससे अंकुरण की दर बहुत कम होती है। ऐसे में आखिर ये उगता कैसे है? काफल के बीज जब किसान बोते हैं, लेकिन महीनों इंतजार के बाद भी कुछ नहीं होता। इसकी बाहरी परत काफी मोटी होती है। लेकिन जब पक्षी ये फल खाते हैं और बीजों को दूर-दूर फैला देते हैं, जहां प्राकृतिक परिस्थितियां अनुकूल होने पर ये उग आते हैं। हालांकि, अब समय के साथ इसमें बदलाव आने लगा है।अब नई पद्धति से काफल के बीज किसान लगाने लगे हैं और इसकी खेती करने लगे हैं। लेकिन हिमालयी क्षेत्रों में लोग अभी भी लोककथाओं पर यकीन करते हैं। वो आज भी मानते हैं कि इस फल के बीज परियों द्वारा लगाए जाते हैं। बच्चे भी इन कहानियों को चाव से सुनते हैं। लेकिन असलियत तो अब आप भी जान गए होंगे।

मेरी टिप्पणी को तोड़ा-मरोड़ा गया : ममता

भाजपा का विरोध प्रदर्शन, अब तक 5 गिरफ्तार

» मेडिकल छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म पर बंगाल की सीएम बोलीं- किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एक मेडिकल छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार की कथित घटना के बाद छात्रावास में रहने वाली छात्राओं को देर रात बाहर न निकलने की अपनी सलाह को लेकर बढ़ती आलोचनाओं के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि उनकी टिप्पणी को गलत संदर्भ में लिया गया। ममता ने अलीपुरद्वार में संवाददाताओं से कहा कि इस मुद्दे पर कोलकाता हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत में उनकी ओर से की गई टिप्पणियों को जानबूझकर तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और उनके शब्दों का गलत संदर्भ निकाला गया मुख्यमंत्री ने कहा, दमदम हवाई अड्डे पर की गई मेरी टिप्पणियों को जानबूझकर तोड़-मरोड़कर पेश किया गया।

आप मुझसे एक सवाल पूछते हैं और जब मैं जवाब देती हूं, तो मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जाता है और उनका गलत संदर्भ निकाला जाता है। मेरे साथ ऐसी घटिया राजनीति मत कीजिए। उन्होंने कहा, दूसरों के विपरीत, मुझमें आपसे मिलकर सीधे बात करने की शालीनता है। दूसरे तो बस पहले से तय सवालों के जवाब देते हैं। बारिश और भूस्खलन की घटनाओं से प्रभावित उत्तर बंगाल में राहत एवं पुनर्वास कार्यों का जायजा लेने के लिए रवाना होने से पहले ममता ने कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि उनकी सरकार का ऐसी घटनाओं को कतई बर्दाश्त नहीं करने का रुख है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम ऐसी सभी घटनाओं की निंदा करते हैं, चाहे वे कहीं भी हों। हमने बिहार, उत्तर प्रदेश और ओडिशा में ऐसे कई मामले देखे हैं। बंगाल में हमारा ऐसे अपराधों को कतई बर्दाश्त नहीं करने का रुख है। हम इन्हें बहुत गंभीरता से लेते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा था, यह एक स्तब्ध कर देने वाली घटना है... हमारा रुख ऐसे अपराधों को कतई बर्दाश्त न करने का है। तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस अन्य की तलाश कर रही है। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने शनिवार को बताया था कि दुर्गापुर में कुछ लोगों ने ओडिशा के बालासोर जिले के जलेश्वर की रहने वाली मेडिकल छात्रा के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीड़िता जिस संस्थान की छात्रा है, वह (संस्थान) भी इस घटना के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा, निजी कॉलेजों को अपने परिसरों के भीतर और आसपास सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। ममता ने कहा, पुलिस हर व्यक्ति की आवाजाही पर नजर नहीं रख सकती। अधिकारियों को नहीं पता होता कि रात में कौन घर से निकल रहा है और वे हर घर के बाहर पहरा नहीं दे सकते।उन्होंने बिहार, उत्तर प्रदेश और ओडिशा में इसी तरह की घटनाएं होने का जिक्र करते हुए कुछ चुनिंदा राज्यों में ही ऐसे अपराधों के खिलाफ आक्रोश पर सवाल उठाए।

संस्थान भी इस घटना के लिए जिम्मेदार

ओडिशा राज्य महिला आयोग की तीन सदस्यीय टीम का दौरा

अध्यक्ष सोवाना मोहंती के नेतृत्व में ओडिशा राज्य महिला आयोग की तीन सदस्यीय टीम सोमवार को दुर्गापुर का दौरा करेगी और पीड़िता के परिवार से मुलाकात करेगी। तीन सदस्यीय टीम पश्चिम बंगाल में पीड़िता के इलाज और मामले की चल रही जाँच के बारे में पूछताछ करने के बाद ओडिशा सरकार को एक रिपोर्ट सौंपेगी। मोहंती ने बताया कि हम उसके स्वास्थ्य की जाँच करेंगे और उसके माता-पिता से मिलेंगे। पश्चिम बंगाल में लड़की के इलाज, उसके मानसिक स्वास्थ्य और उचित जाँच हो रही है या नहीं, इस बारे में पूछताछ करने के बाद हम राज्य सरकार को अपनी सिफ़ारिशें सौंपेंगे। यह तीन सदस्यीय टीम है। हम मामले की त्वरित सुनवाई और अभी तक गिरफ़्तार नहीं हुए एक अन्य आरोपी के बारे में भी पूछताछ करेंगे। ओडिशा महिला आयोग की अध्यक्ष ने आगे कहा, ओडिशा के मुख्यमंत्री ने लड़की के पिता और प्रशासन से बात की है।

तृणमूल हटाओ, बेटी बचाओ : सुवेंदु अधिकारी

विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने दुर्गापुर सामूहिक बलात्कार मामले पर विरोध प्रदर्शन किया। सुवेन्दु अधिकारी ने कहा कि तृणमूल हटाओ, बेटी बचाओ। बंगाल में हर जगह यही मुख्य नारा है। तृणमूल को जाना चाहिए। वे विपक्ष के नेता को डॉक्टरों से बात करने की अनुमति नहीं देते, उन्होंने ओडिशा से महिला आयोग को रोक दिया। निजी कॉलेज के अधिकारियों ने मुझे सुबह 8 बजे फोन किया कि वे दबाव में हैं। किसका दबाव? ममता का दबाव, ममता की पुलिस का दबाव, ममता के गुंडों का दबाव।

आस्ट्रेलिया ने हासिल किया 330 रनों का सबसे बड़ा लक्ष्य

» कप्तान हीली ने खेली 142 रनों की दमदार पारी, भारत को तीन विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विशाखापत्तनम। ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने भारत के खिलाफ 331 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इतिहास रच दिया। टीम ने वनडे क्रिकेट में सबसे बड़े लक्ष्य को तीन विकेट शेष रहते हासिल कर नया रिकॉर्ड अपने नाम किया। विशाखापत्तनम में खेले गए इस रोमांचक महिला विश्व कप मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 48.5 ओवर में 330 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कप्तान एलिसा हीली की बेहतरीन पारी की बदौलत 49 ओवर में सात विकेट पर 331 रन बनाकर मैच जीत लिया।

हीली ने 107 गेंदों में 142 रनों की दमदार और मैच जिताने वाली पारी खेली। भारत की ओर से श्री चरणी ने तीन विकेट हासिल किए, जबकि अमनजोत कौर और दीप्ति शर्मा ने दो-दो विकेट लिए। इससे पहले का रिकॉर्ड 302 रन का था, जिसे श्रीलंका महिला टीम ने 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हासिल किया था। चार मैचों में तीन जीत के साथ सात अंक लेकर ऑस्ट्रेलियाई टीम महिला विश्व कप की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। वहीं, इंग्लैंड दूसरे स्थान पर खिसक गई। भारत लगातार दो मैचों में हार के साथ तीसरे स्थान पर बना हुआ है। चौथे पायदान पर दक्षिण अफ्रीका की टीम है जिसके भी चार अंक हैं। हालांकि, उसका नेट रन रेट -0.888 है। इससे पहले स्मृति मंधाना (80) और प्रतिभा रावल (75) ने पहले विकेट के लिए 155 रन की साझेदारी की, जिससे टीम को मजबूत नींव मिली। इसके बाद रावल, कप्तान हरमनप्रीत कौर और हरलीन देओल जल्दी आउट हो गईं और स्कोर 38वें ओवर में 240/4 हो गया। अंत में ऋचा घोष (28) और जेमिमा रोड्रिग्स (33) ने पांचवें विकेट के लिए 54 रन जोड़कर भारत को 300 के पार पहुंचाया।

स्मृति मंधाना ने पूरे किए 5000 वनडे रन

स्मृति मंधाना ने 80 रनों की शानदार पारी खेलकर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। बाएं हाथ की बल्लेबाज ने वनडे में 5000 रन पूरे कर लिए और दुनिया में पांचवीं व भारत के लिए ऐसा करने वाली दूसरी बल्लेबाज बन गईं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंधाना ने अपने 33वें वनडे अर्धशतक के साथ तमाम उपलब्धियां हासिल कर लीं। वह सबसे पहले एक कैलेंडर वर्ष में 1000 रन पूरे करने वाली पहली महिला बल्लेबाज बनीं। इसके बाद उन्होंने वनडे में 5000 रन भी पूरे कर लिए। इससे पहले पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने वनडे क्रिकेट में 5000 रन बनाए थे। 29 वर्षीय मंधाना वनडे में पांच हजार रन बनाने वाली सबसे युवा महिला बल्लेबाज हैं।

पटाखों पर बैन हटाने या जारी रखने का फैसला सुप्रीम कोर्ट करेगा : सौरभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में पटाखों पर बैन को लेकर अब मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। वहीं इसपर राजनीतिक दलों के नेताओं के बयान भी आ रहे हैं। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने बयान दिया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि चाहे यमुना किनारे छठ पूजा का आयोजन हो या दिवाली पर पटाखों पर प्रतिबंध दोनों मामले अदालत की सीधी निगरानी में हैं।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि करीब एक महीने पहले जस्टिस बी.आर. गवई ने अपनी राय रखते हुए कहा था कि अगर पटाखों पर बैन लगाया जा रहा है, तो यह सिर्फ एनसीआर में नहीं बल्कि पूरे देश में लागू होना चाहिए। भारद्वाज ने कहा कि पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों पर रोक लगाई थी और अब वही कोर्ट इस बैन को हटा सकता है या जारी रख सकता है।

घमंडी पार्टी है डीएमके: अन्नामलाई

» बोले- सभी वोट बीजेपी को मिलेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। आगामी राज्य चुनावों से पहले भाजपा नेता के अन्नामलाई ने डीएमके पर निशाना साधते हुए उन्हें अहंकारी कहा, और कहा कि भाजपा को अपने सभी वोट सुरक्षित करने की आवश्यकता है। अन्नामलाई ने कहा कि अगर वोटों का बंटवारा हुआ तो वे सत्ता में आ जाएंगे। हमें इस धारणा को तोड़ना होगा और अपनी पार्टी के लिए सभी वोट हासिल करने होंगे। हमें डीएमके के खिलाफ वोटों के साथ-साथ आम जनता के वोट भी जीतने होंगे। कांग्रेस के साथ गठबंधन के दौरान डीएमके द्वारा किए गए कार्यों पर सवाल उठाते हुए, राज्य भाजपा प्रमुख नैनार नागेंथ्रन ने सवाल उठाया कि राज्य सरकार की जानकारी के बिना देश का एक हिस्सा दूसरे देश को कैसे सौंपा जा सकता है। नागेंथ्रन ने कहा, जब डीएमके कांग्रेस के साथ गठबंधन में सत्ता में थी, तो उन्होंने क्या किया? क्या उन्होंने कभी कच्चातीवु को वापस लिया? कच्चातीवु श्रीलंका को किसने दिया? इंदिरा गांधी ने ही कच्चातीवु श्रीलंका को सौंपा था। उस समय, करुणानिधि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थे। हालांकि, दुरई मुरुगन ने विधानसभा में कहा कि कच्चातीवु हमारी जानकारी के बिना श्रीलंका को दे दिया गया था। क्या राज्य सरकार की जानकारी के बिना किसी देश का एक हिस्सा दूसरे देश को सौंपा जा सकता है?

महाराष्ट्र में सियासी सरगर्मी फिर तेज

» एमवीए में मनसे भी होगी शामिल, राज ठाकरे ने रखी ये शर्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को संकेत दिया कि आगामी महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों में विपक्षी महा विकास अघाड़ी में मनसे की भूमिका हो सकती है। उन्होंने राज ठाकरे के इस विचार का भी जिक्र किया कि कांग्रेस को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। हालाँकि, राउत ने स्पष्ट किया कि अभी तक कोई औपचारिक निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि राज ठाकरे भी चाहते हैं कि कांग्रेस को भी साथ लिया जाए। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इस पर कोई निर्णय लिया गया है।

राउत ने कहा कि उन्होंने एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल के साथ कुछ मुद्दों पर चर्चा की है और विपक्षी नेता राहुल गांधी से मिलने की योजना बना रहे हैं। उद्धव ठाकरे के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी मिलने की उम्मीद है। कुछ राज्य कांग्रेस नेताओं ने मनसे के साथ किसी भी तरह के सहयोग का विरोध किया है, खासकर बिहार विधानसभा चुनावों से पहले। इसके बावजूद, राउत ने कहा कि मनसे, राकांपा, वामपंथी दलों और शिवसेना (यूबीटी) सहित हर पार्टी की राज्य की राजनीति में भूमिका है। राउत ने विपक्षी नेताओं राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे और शरद पवार के एक प्रतिनिधिमंडल का जिक्र किया, जो मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से चुनावी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मुलाकात करेगा।

पार्टी चुनाव पारदर्शिता के मुद्दे पर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात करेगी : संदीप

भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेताओं ने सवाल उठाया कि क्या हिंदुत्व पर ज़ोर देने वाले राज ठाकरे, वीर सावरकर पर कांग्रेस के रुख से सहमत हैं। मनसे नेता और प्रवक्ता संदीप देशपांडे ने कहा कि पार्टी चुनाव पारदर्शिता के मुद्दे पर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शामिल होना केवल प्रतिनिधिमंडल से संबंधित है, चुनावी गठबंधन से नहीं, और राज ठाकरे गठबंधन के संबंध में उचित निर्णय लेंगे।

एनडीए में सीट बंटवारे के बाद मची सियासी रार

» नीतीश कुमार के बड़े भाई होने के दावों को भाजपा ने किया नष्ट : मनाज झा

» राजद नेता का दावा- एनडीए में बीजेपी 142, जदयू 101 पर सिमट गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार चुनाव से पहले, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता मनोज कुमार झा ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लगातार बड़े भाई होने के दावों के बावजूद, उनके अपने ही लोगों ने उनकी भूमिका को नष्ट कर दिया है। झा ने बताया कि मैं इसे 142 और 101 के रूप में देख रहा हूँ। भाजपा+ 142 है और जदयू 101 है... नीतीश कुमार कई सालों से भाजपा को कहते आ रहे हैं कि हम बड़े भाई हैं। बड़े भाई की पूरी भूमिका को उनके अपने ही लोगों ने बड़ी ही बारीकी से नष्ट कर दिया है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के भीतर सब कुछ ठीक नहीं : मृत्युंजय तिवारी

एक दिन पहले, राजद नेता मृत्युंजय तिवारी ने दावा किया था कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है और भाजपा जदयू को खत्म कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कुर्सी छीन लेगी। हुए मृत्युंजय तिवारी ने कहा, यह साफ़ है कि एनडीए में सब कुछ ठीक नहीं है। हम कहते रहे हैं कि भाजपा, जदयू को खत्म कर देगी। अभी तक जदयू बड़े भाई की भूमिका में थी, लेकिन अब उसे उसी स्तर पर ला दिया गया है। चिराग पासवान और भाजपा ने 130 सीटें ले ली हैं। अब चुनाव के बाद भाजपा, जदयू को खत्म करके मुख्यमंत्री की कुर्सी ले लेगी। जीतन बाबू मांझी पंद्रह सीटों के लिए गिड़गिड़ा रहे थे। उन्हें छह सीटें दी गई हैं। उपेंद्र कुशवाहा भी बड़ी माँगें कर रहे थे, लेकिन उनका भी यही हश्र हुआ। भाजपा ने छोटे दलों को खत्म करने का फॉर्मूला निकाला। अब लगता है कि भाजपा जदयू को खत्म करने पर मजबूर करेगी। तिवारी ने आगे कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने हर घर में एक नौकरी देने का वादा किया है। महागठबंधन के सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि इसकी घोषणा बहुत जल्द की जाएगी। उन्होंने आगे कहा, हमारी सीट बंटवारे की रूपरेखा लगभग तय हो चुकी है और हमें विश्वास है कि इसकी घोषणा बहुत जल्द की जाएगी। गठबंधन में सब कुछ ठीक है। गठबंधन बेहद मज़बूत है और शानदार जीत के लिए तैयार है। बात सीटों की नहीं, बल्कि जीत की है।

जन सुराज की दूसरी लिस्ट में 65 उम्मीदवार

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की ओर से सोमवार (13 अक्टूबर, 2025) को प्रत्याशियों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी गई। इस मौके पर जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर भी मौजूद रहे. जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह और प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती उपस्थित रहे. दूसरी लिस्ट में 65 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की गई। दूसरी लिस्ट में प्रत्याशियों की घोषणा करते हुए बताया गया कि भागलपुर से अभयकांत झा उम्मीदवार होंगे. डॉ. शाहनवाज बड़हरिया सीट से प्रत्याशी होंगे. शिवहर से नीरज सिंह, नरकटिया से लाल बाबू यादव, कल्याणपुर से मंतोष सहनी, संदेश से राजीव रंजन सिंह, बाजपट्टी से आजम अनवर हुसैन, हरलाखी से रत्नेश्वर ठाकुर, नरपतगंज से जनार्दन यादव, इस्लामपुर से तनुजा कुमारी को प्रत्याशी बनाया गया है। बता दें कि जन सुराज पार्टी ने नौ अक्टूबर को पहली सूची जारी की थी, जिसमें 51 उम्मीदवारों के नाम शामिल थे. हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया था कि प्रशांत किशोर खुद चुनाव लड़ेंगे या नहीं. पहली सूची में शामिल प्रमुख नामों में बिहार कैडर के पूर्व आईपीएस अधिकारी आर के मिश्रा (दरभंगा), वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता वाई वी गिरि (मांझी), पटना विश्वविद्यालय और नालंदा ओपन विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति केसी सिन्हा (कुम्हरार) और भोजपुरी गायक रितेश रंजन पांडेय (करगहर) शामिल हैं।

वोट चोरी वाले आरोपों से जुड़ी याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

» नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगाया था आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कुछ समय पहले कर्नाटक चुनाव में धांधली का आरोप लगाया था। बेंगलुरु सेंट्रल समेत कई विधानसभाओं में वोट चोरी का दावा किया गया था, जिसकी जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हालांकि, अदालत ने इस याचिका को सिरे से खारिज कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिक में रिटायर्ड जस्टिस की अगवाई में स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम बनाने की मांग की गई थी, जो इस पूरे मामले की जांच करती। मगर, सर्वोच्च न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता का पक्ष रखते हुए एडवोकेट रोहित पांडे ने कहा, चुनाव आयोग से इसकी शिकायत की गई थी, लेकिन मामले पर कोई कदम नहीं उठाया गया। मगर, कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करने से साफ इनकार कर दिया। बता दें कि 7 अगस्त को राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कर्नाटक चुनाव में धांधली का दावा किया था। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी बीजेपी पर वोट चोरी करने का भी आरोप लगाया था। राहुल गांधी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उन्हें 7 दिन के भीतर हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया था। चुनाव आयुक्त का कहना था कि अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया, तो उन्हें खुद अपने आरोपों को निराधार मानना होगा।

याचिकाकर्ता यह मामला चुनाव आयोग के समक्ष उठा सकते हैं

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह मामला चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए चुनाव आयोग के सामने यह मुद्दा उठाना चाहिए। हमने याचिकाकर्ता के वकील की बात सुनी। कथित तौर पर यह याचिका जनहित में दायर की गई है, लेकिन हम ऐसी किसी भी याचिका पर सुनवाई नहीं करेंगे। याचिकाकर्ता यह मामला चुनाव आयोग के समक्ष उठा सकते हैं।

करूर भगदड़ मामले की जांच सीबीआई के हवाले

नई दिल्ली (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। सुप्रीम कोर्ट ने तामिलनाडु के करूर भगदड़ मामले में सीबीआई से जांच कराने का आदेश दिया है। यह हादसा 27 सितंबर को अभिनेता विजय की राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेत्रि कझगम की रैली के दौरान हुआ था जिसमें 41 लोगों की मौत हुई थी। शीर्ष अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस अजय रस्तोगी को उस कमिटी का प्रमुख नियुक्त किया है जो सीबीआई की जांच की निगरानी करेगी। इस कमेटी में तमिलनाडु कैडर के दो आईपीएस अधिकारी, जो तमिलनाडु के निवासी न हों, शामिल किए जा सकते हैं। सीबीआई अधिकारी हर महीने जांच की प्रगति रिपोर्ट इस समिति को सौंपेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट की भी आलोचना की कि उसने एक ऐसी याचिका पर विशेष जांच दल एसआईटी गठित करने का आदेश दे दिया जो वास्तव में केवल राजनीतिक रैलियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया बनाने की मांग कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से यह रिपोर्ट भी मांगी कि कैसे एसओपी से संबंधित याचिका को क्रिमिनल रिट याचिका के रूप में दर्ज किया गया।

चेन्नई बेंच को खारिज कर देनी चाहिए याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि करूर मामला मदुरै बेंच के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए चेन्नई बेंच को इसे बिना मुख्य न्यायाधीश की अनुमति के सुनवाई में नहीं लेना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चेन्नई बेंच को यह याचिका खारिज कर देनी चाहिए थी।

हमास ने सभी 20 जिंदा बंधकों को किया रिहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» 738 दिनों बाद कैद से मुक्त हुए इस्राइली

येरुशलम। दो साल तक जंग लड़ने के बाद इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम लागू हो गया है। आज हमास ने 20 इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया है। इस्राइल के अनुसार, अब हमास के कब्जे में कोई भी जिंदा इस्राइली बंधक नहीं मौजूद है।

इस माहौल के बीच इस्राइल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वहां स्वागत किया गया हैं। हमास की तरफ से सभी 20 बंधकों को रिहा कर दिए जाने के बाद इस्राइली सेना ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि अब हमास के कब्जे में कोई भी जिंदा इस्राइली बंधक नहीं है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास सोमवार को मिस्र में होने वाले गाजा शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। मैक्रों ने कहा कि फलस्तीनी प्राधिकरण का नेतृत्व करने वाले अब्बास इस शिखर सम्मेलन में उपस्थित रहेंगे।

इंडियन फ्रोजन फूड कंपनी के ठिकानों पर आयकर छापा

» मीट का कारोबार करती है कंपनी, कई शहरों में छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संभल में मीट का कारोबार करने वाली इंडियन फोजन फूड कंपनी के ठिकानों पर आयकर विभाग की टीम ने सोमवार को छापे मारे। कंपनी के बरेली, मुरादाबाद, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद समेत एक दर्जन से अधिक शहरों के 30 से ज्यादा ठिकानों को खंगाला जा रहा है।

आयकर विभाग, लखनऊ की जांच इकाई ने यह कार्रवाई की है। छापे की कार्रवाई अगले कुछ दिनों तक जारी रह सकती है। बता दें कि इंडियन फ फ्रोजन फूड कंपनी का कारोबार करीब 1000 करोड़ रुपये से अधिक का बताया जाता है। कंपनी द्वारा बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी अंजाम दिए जाने की शिकायतों के बाद जांच इकाई बीते कई दिनों से सुराग जुटा रही थी। इस बाबत पुख्ता प्रमाण मिलने के बाद छापे मारकर दस्तावेजी सुबूत जुटाने की कवायद की गई है। आयकर विभाग के 100 से अधिकारी एवं कर्मचारी पीएसी बल के साथ कंपनी के ठिकानों को खंगाल रहे हैं और संचालकों एवं निदेशकों से पूछताछ कर रहे हैं। सूत्रों की मानें तो आयकर विभाग यह भी पता लगा रहा है कि कंपनी द्वारा अनुमति से अधिक पशुओं का कटान तो नहीं किया जा रहा है। दरअसल, बीते वर्षों में मीट कारोबारी कंपनियों के ठिकानों पर छापे के दौरान इसके पुख्ता प्रमाण मिले थे, जिसमें स्थानीय प्रशासन और उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों की संलिप्तता भी सामने आई थी। खासकर बरेली की एक कंपनी में तो बड़े पैमाने पर बिना अनुमति पशुओं को खरीदा जा रहा था और उनका कटान कर मीट बेचा जा रहा था।

कर्नाटक कांग्रेस के बयान पर घमासान, आरएसएस तालिबानी मानसिकता वाला संगठन : प्रियांक खरगे

» बोले कांग्रेस नेता- महिलाओं का सम्मान नहीं करती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक कांग्रेस एमएलसी यतींद्र सिद्धारमैया और मंत्री प्रियांक खरगे ने विचारधारा और दृष्टिकोण में समानताओं का हवाला देते हुए आरएसएस और तालिबान के बीच समानताएँ बताईं। यतींद्र सिद्धारमैया ने कहा कि आरएसएस एक तालिबान मानसिकता प्रदर्शित करता है, जो हिंदू धर्म की एक ही व्याख्या थोपने की कोशिश करता है, ठीक वैसे ही जैसे तालिबान इस्लाम की करते हैं।

इस बयान के बाद घमासान मच गया है। उन्होंने आगे कहा कि धर्म में वे एक ही दृष्टिकोण चाहते हैं। इस्लाम में वे एक खास दृष्टिकोण चाहते हैं। वे महिलाओं की आज़ादी पर पाबंदियाँ लगाते हैं। आरएसएस भी इसी तरह का व्यवहार करता है। वे हिंदू धर्म को एक खास नज़रिए से देखना चाहते हैं।

प्रियांक खरगे ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि किसी भी तरह की कट्टरता तालिबान के बराबर है। तालिबान कभी महिलाओं का सम्मान नहीं करता, आरएसएस भी नहीं करता। तालिबान संविधान का सम्मान नहीं करता, आरएसएस भी उसका सम्मान नहीं करता। तालिबान अपने तथाकथित धर्मयुद्ध के लिए गरीब लोगों का इस्तेमाल करता है, और यहाँ भी आरएसएस अपने मकसद के लिए गरीब लोगों का इस्तेमाल करता है। खड़गे ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर सरकारी संस्थानों, सार्वजनिक खेल के मैदानों और मंदिरों में आरएसएस की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। अपने पत्र में, उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस शाखाओं और सभाओं के माध्यम से बच्चों और युवाओं के बीच विभाजनकारी विचार फैलाता है। उन्होंने इन गतिविधियों को असंवैधानिक और राष्ट्रीय एकता के विपरीत बताया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।